Energy Minister Reviewed Power Project's Progress
5000 MW Capacity Addition in XIth Plan

Jaipur ,11 June. Energy Minister Dr.Jitendra Singh reviewed the progress of Power Projects of Rajasthan , under construction at present or recently approved by State Government. Energy Minister instructed the officials to complete the construction of the Power Plants in the scheduled time. During the review meeting, he was told that a capacity addition of 5000 MW is planned in the State by the end of XIth five year Plan.

Dr. Singh enquired the detailed progress of each units under construction. His major emphasized was on earlier completion of three proposed Super Critical Thermal Power Stations at Chhabra ,Suratgarh and Banswara of 3920 MW Capacity. The decision of these Super Critical Thermal Power Stations was taken by Chief Minister Shri Ashok Gehlot in January 2009.This was one of the major decision taken by his government after taking charge.

Energy Minister was told that by the end of XIth Five year Plan i.e. March 2012 ,a Capacity addition of 5000 MW will be achieved so that the gap between demand and supply will reduced effectively. He was also told that the work at Units under Construction is on full swing and four new Units of 945 MW will be commissioned with in this year i.e.Dec. 2009 so that Power availability is enhanced by 225 lacs units per day.It will eased the power availability during next Rabi season.

He was further informed that two units of 500 MW at Chhabra and two units of 1200 MW at Kalisindh(Jhalawar)are scheduled to be commissioned in the beginning of 2012.In addition to this, the two units of 160 MW at Ramgarh in Jaislmer distt. will start generation in February 2012. The construction of two units of 250 MW at Giral in Barmer distt. will reach in the final stages during this period.

In addition to the units of RVUN ,a Power Station of 1080 MW Capacity at Jalipa-Kapurdi in private sector will start generation with in next two year. Another Power Station of 250 MW at Barsingsar in Bikaner distt. will also start generation and Rajasthan will also start to received 1000 MW more power from the Central Projects during this period.

Spl. Secy. Energy Shri Naresh Pal Gangwar,CMD,RVUN Dr. S.K.Calla and Chairman Discoms Shri R.G. Gupta and other Sr.Officers were present in the meeting

ग्यारहवीं योजना में पांच हजार मेगावाट क्षमता बढ़ जाएगी
ऊर्जा मंत्री ने विद्युत परियोजनाओं की समीक्षा की

जयपुर, 11 जून। विद्युत उत्पादन में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने में जुटे ऊर्जा मंत्री डा. जितेन्द्रसिंह ने गुरुवार को निर्माणाधीन और स्वीकृत परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विद्युत इकाईयों के काम को निर्धारित समय पर पूरा किया जाए। इस अवसर पर उन्हें बताया गया कि ग्यारहवीं योजना की समाप्ति तक प्रदेश में विद्युत क्षमता पांच हजार मेगावाट बढ़ जाएगी।

डा. सिंह ने हरेक विद्युत इकाई की स्थापना के काम की विस्तार से जानकारी ली। उनका प्रमुख जोर अगले कुछ सालों में सूरतगढ़, छबड़ा और बांसवाड़ा में आने वाले 3920 मेगावाट क्षमता के तीन सुपर क्रिटिकल बिजलीघरों को पूरा करने पर ज्यादा था जिनकी स्थापना का निर्णय उनकी सरकार ने आते ही लिया था।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे उपाय खोजे जिनसे तीनों बिजलीघरों को निर्धारित समय सीमा से पहले उत्पादन के लिए तैयार कर लिया जाए। वे चाहते थे कि इन बिजलीघरों की जल्दी स्थापना के लिए कुछ प्रोत्साहन देना पड़े तो वो भी दिया जाए तथा इन की स्थापना में आने वाली बाधाओं को जल्दी से जल्दी दूर किया जाए।

बैठक में उन्हें बताया गया कि राजस्थान में ग्यारहवीं योजना अवधि के अंत तक करीब पांच हजार मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता बढ़ाने के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं जिसके बाद राजस्थान में बिजली की मांग और आपूर्ति में बहुत कम अंतर रह जाएगा। इस साल ही दिसंबर तक 945 मेगावाट की चार नई इकाइयों में व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ होने के बाद बिजली की उपलब्धि प्रतिदिन 225 लाख यूनिट बढ़ जाएगी।

बैठक में जानकारी दी गई कि 2012 के प्रारंभ में ही झालावाड़ में 12 सौ मेगावाट की कालीसिंध विद्युत परियोजना और छबड़ा ताप बिजलीघर में 500 मेगावाट की दो इकाइयों में बिजली बनने लगेगी। इसके साथ ही फरवरी 2012 तक जैसलमेर जिले के रामगढ़ में 160 मेगावाट की दो नई इकाईयां उत्पादन प्रारंभ कर देंगी। इस दौरान बाड़मेर के गिरल में भी 250 मेगावाट की दो नई इकाईयों का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच जाएगा।

राज्य विद्युत उत्पादन निगम की इन इकाईयों के साथ ही अगले दो साल में बाड़मेर जिले के जालीपा–कपूरड़ी में निजी क्षेत्र में बन रहा 1080 मेगावाट क्षमता का बिजलीघर भी उत्पादन करने लगेगा। नैवेली लिग्नाइट कार्पोरेशन की ओर से बीकानेर जिले के बरसिंहसर में भी 250 मेगावाट बिजली बनने लगेगी। इस बीच केन्द्रीय विद्युत परियोजनाओं में से भी राजस्थान को एक हजार मेगावाट से अधिक बिजली मिलने लगेगी।

बैठक में विशिष्ठ सचिव ऊर्जा श्री नरेशपाल गंगवार, विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डा. एस.के. कल्ला, विद्युत वितरण निगमों के अध्यक्ष श्री आर.जी. गुप्ता और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।